दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

पत्रांक : /2025–26 दिनांक : 07.04.2026

प्रकाशनार्थ

विदाई केवल अंत नहीं, एक नए जीवन की शुरुआत : प्रो. ओम प्रकाश सिंह

गोरखपुर, 07 मार्च 2026। दिग्विजय नाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा परास्नातक विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा किसी भी समाज की रीढ़ होती है और समय के साथ इसका स्वरूप बदलता रहता है।

उन्होंने प्राचीन भारतीय शिक्षा पद्धति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह मूल रूप से समता मूलक थी, जिसमें समानता, नैतिकता और सार्वभौमिक ज्ञान को प्रमुखता दी जाती थी। इसके विपरीत, वर्तमान शिक्षा प्रणाली मुख्यतः रोजगार उन्मुख हो गई है, जहाँ ज्ञान को एक व्यावसायिक साधन के रूप में देखा जाने लगा है।

प्राचार्य ने विदाई के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विदाई केवल जुदाई नहीं, बल्कि एक नए जीवन–यात्रा की शुरुआत है। यह वह क्षण है जब विद्यार्थी महाविद्यालय की सीमाओं से बाहर निकलकर वास्तविक दुनिया में प्रवेश करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अर्जुन की भाँति अपना लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहें। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि विद्यार्थी राष्ट्र के भावी निर्माता हैं और उन्हें अपनी शिक्षा का उपयोग समाज के व्यापक हित में करना चाहिए।

कार्यक्रम में सांस्कृतिक प्रकोष्ठ की समन्वयक प्रोफेसर अर्चना सिंह ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता उन्हीं को मिलती है, जो अपने सपनों को साकार करने का साहस रखते हैं। जीवन में आने वाली चुनौतियाँ हमें मजबूत बनाती हैं और आगे बढ़ने का मार्ग दिखाती हैं। आप सभी अपने ज्ञान, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ समाज में एक नई पहचान स्थापित करें।

विभाग की प्रभारी डॉ. निधि राय ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि वे अपने जीवन में निरंतर प्रगति करें, अपने सपनों को साकार करें और किसी भी परिस्थिति में हार न मानें। उन्होंने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग के डॉ. श्याम सिंह, डॉ. त्रिभुवन मिश्रा, डॉ. अखंड प्रताप सिंह, डॉ. जागृति विश्वकर्मा, डॉ. सुजीत शर्मा सहित अन्य विभागों से डॉ विभा सिंह, डॉ अनुपमा मिश्रा, डॉ अदिति दुबे, डॉ शाश्वत चंदेल, डॉ विवेकानंद शुक्ला, डॉ सुनील सिंह, डॉ अंशुमान सिंह समेत महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रो.(डॉ.) ओम प्रकाश सिंह
प्राचार्य